शब्दबाणों का प्रहार

मध्य भारत का सबसे लोकप्रिय अखबार

राष्ट्रबाण

सिवनी

संपादक : संजय बघेल

सोमवार 23 फरवरी 2026 E-PAPER: www.rashtrabaan.in ● वर्ष : 10 ● अंक : 297 ● पृष्ठ : 06 ● मूल्य : 5.00 रुपए www.facebook.com/rashtrabaan www.twitter.com/rashtrabaan

न्यूज ब्रीफ

हैदराबाद में फरारी ने कई गाड़ियों को टक्कर मारी, तीन घायल

हैदराबाद। हैदराबाद के जुबली हिल्स में तेज रफ्तार फरारी ने कई गाड़ियों को टक्कर मारी। इस हादसे में 3 लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि सभी घायलों को भर्ती कराया गया है। कार की कीमत 3-4 करोड़ रुपए के बीच बताई जा रही है। जुबली हिल्स पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है।

असम कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भूपेन बोरा ने भाजपा जॉइन किया

दिसपुर। असम कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने रविवार को जॉइन कर लिया है। असम बीजेपी अध्यक्ष दिलीप सैकिया की मौजूदगी में उन्होंने पार्टी जॉइन की। बोरा ने 16 फरवरी को कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा दिया था। इसके अगले दिन असम के सीएम हिमंता बिस्व सरमा ने बोरा के घर जाकर उनसे मुलाकात की। हिमंता ने बोरा के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया था कि वे 22 फरवरी को पार्टी की सदस्यता लेंगे।

शरद पवार अस्पताल में भर्ती, सुप्रिया ने दी स्वास्थ्य की जानकारी

पुणे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शरद पवार आज पुणे के रूबी अस्पताल पहुंचे। उल्टी की शिकायत की वजह से उन्हें डिहाइड्रेशन हो गया था। डॉक्टरों ने उन्हें अगले दो दिनों तक एडमिट रहने की सलाह दी। उनका ब्लड टेस्ट और सीटी स्कैन भी कराया गया। डॉक्टरों के मुताबिक, सभी रिपोर्ट सामान्य (नॉर्मल) आई हैं।

ओडिशा के झारसुगुड़ा में ट्रेलर ने पुलिस वैन टक्कर मारी

झारसुगुड़ा। झारसुगुड़ा में नेशनल हाईवे 49 पर झारसुगुड़ा सदर पुलिस स्टेशन के पास एक ट्रेलर और पुलिस गाड़ी की टक्कर में पांच पुलिसवालों की मौत हो गई। हादसा सुबह 4 बजे हुआ। तीन पुलिसवालों को चोटें आई हैं और उनकी हालत गंभीर है। पुलिसवाले एक शादी समारोह से लौट रहे थे। घायलों को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

राष्ट्रबाण

अगर आपको नहीं मिल रहा है आपका लोकप्रिय अखबार राष्ट्रबाण तो आज ही अपने हॉकर से बोलिए या हमे कॉल कीजिए

सिर्फ 100 रुपए महीना

संपर्क : 7000427433

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में जैश के 3 आतंकी ढेर

सुरक्षाबलों ने आतंकियों के ठिकाने को ब्लास्ट किया; 4 फरवरी को भी 3 आतंकी मारे थे

राष्ट्रबाण कश्मीर | एजेंसी rashtrabaan.in

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में चतरू इलाके में रविवार सुबह से सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई। अधिकारियों ने 3 आतंकियों के ढेर होने की पुष्टि की है। सुरक्षाबलों ने उस ठिकाने को ही ब्लास्ट कर दिया, जहां आतंकी छिपे हुए थे। एनकाउंटर अभी भी जारी है। अधिकारियों ने कहा कि पाकिस्तान के आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के 2 से 3 आतंकियों के यहां पर छिपे होने की सूचना मिली थी। इसके बाद सर्च ऑपरेशन चलाया गया। तभी आतंकियों ने फायरिंग कर दी। इससे पहले 4 फरवरी को भी चतरू में ही सुरक्षाबलों ने जैश के ही एक आतंकी को मार गिराया था। वहीं, उधमपुर जिले में भी गुफा में छिपे जैश के 2 आतंकियों को ग्रेनेड विस्फोट में मार गिराया गया था।

ऑपरेशन 'किया' के तहत सेना की कार्रवाई

व्हाइट नाइट कोर ने 4 फरवरी को सोशल मीडिया पोस्ट में बताया था कि सीआईएफ डेल्टा, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ का यह जॉइंट ऑपरेशन चलाया था था। इलाके की घेराबंदी की गई। इसे 'ऑपरेशन किया' नाम दिया गया। मुठभेड़ 3 फरवरी की शाम 4 बजे शुरू हुई थी। आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग की। करीब एक घंटे तक चली मुठभेड़ के दौरान एक आतंकी को गोली लगी, लेकिन वह अपने साथी के साथ गुफा के अंदर जाकर छिप गया। शाम करीब 7:30 बजे आतंकियों ने अंधेरे का फायदा उठाकर गुफा से बाहर निकलने की कोशिश की। इस दौरान फिर से फायरिंग हुई और तेज धमाकों की आवाज सुनी गई। इसके बाद अतिरिक्त सुरक्षाबलों को इलाके में भेजा गया और घेराबंदी और कड़ी कर दी गई। सुरक्षा बलों ने 4 फरवरी को आतंकियों पर UBGLs (अंडर बैरल ग्रेनेड लॉन्चर) का इस्तेमाल किया। जिससे एक हिस्से को विस्फोट के जरिए ध्वस्त कर दिया गया। इस विस्फोट में दोनों आतंकी मारे गए।

ऑपरेशन टीम में शामिल डॉग घायल: किश्तवाड़ में चलाए गए एनकाउंटर में इंडियन आर्मी के 2 पैरा (एसएफ) के के9 डॉग टायसन को भी गोली लगी। मिशन के दौरान, वह सबसे पहले उस धोक तक पहुंचा जहां आतंकवादी छिपे हुए थे। गोली लगने के बावजूद, टायसन ने ऑपरेशन जारी रखा। उसे बेहतर इलाज के लिए बेस हॉस्पिटल ले जाया गया है।

ऑपरेशन त्राशी-1 अभी भी जारी

उधमपुर के साथ-साथ किश्तवाड़ जिले में ऑपरेशन त्राशी-1 भी चल रहा है। यह ऑपरेशन 18 जनवरी को चतरू बेल्ट के मंडराल-सिंहपोरा के पास सोनार गांव के जंगलों में शुरू किया गया था। ऑपरेशन त्राशी-1 के दौरान पिछले 15 दिनों में आतंकियों के साथ चार बार मुठभेड़ हो चुकी है। 18 जनवरी को हुए पहले एनकाउंटर में 8 जवान घायल हुए थे, जिनमें से हवलदार गजेंद्र सिंह की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। इसके बाद 22 और 24 जनवरी को अलग-अलग मुठभेड़ हुईं, जबकि 31 जनवरी को डोलगाम इलाके में फिर से गोलीबारी हुई।

पाकिस्तान की अफगानिस्तान पर एयरस्ट्राइक, एक में 16 मौतें

सभी एक परिवार के; पाक बोला- टीटीपी के 7 कैंपों को निशाना बनाया, आत्मघाती हमलों का बदला लिया

राष्ट्रबाण इस्लामाबाद | एजेंसी rashtrabaan.in

इस्लामाबाद की सेना ने रविवार तड़के अफगानिस्तान के सीमावर्ती इलाकों में एयरस्ट्राइक की। अल-जजीरा के मुताबिक पाकिस्तानी सेना ने दावा किया कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और इस्लामिक स्टेट से जुड़े सात कैंपों और ठिकानों को निशाना बनाया गया।

पाकिस्तान सरकार ने इसे हालिया आत्मघाती हमलों के बाद जवाबी अटैक बताया। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि यह इंटेलिजेंस बेस्ड ऑपरेशन था। पाकिस्तान ने कहा, 'हमारे पास पुख्ता सबूत हैं कि हमले अफगानिस्तान की जमीन से चल रहे नेटवर्क ने कराए।'

अफगानिस्तानी मीडिया टोलो न्यूज के मुताबिक हमले में नागरहार के एक घर को निशाना बनाया, जिससे एक ही परिवार के 23 लोग मलबे के नीचे दब गए। अब तक सिर्फ चार लोगों को निकाला जा सका है। हमले के समय परिवार सो रहा था, इसलिए उन्हें भागने का मौका ही नहीं मिला।

अमेरिकी मानवाधिकार संगठन इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स फाउंडेशन के मुताबिक इसमें 16 लोगों की मौत हो गई। इसमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं।

हालांकि, आंकड़ों की आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

पाकिस्तान की मांग- अंतराष्ट्रीय समुदाय तालिबान पर दबाव डाले

पाकिस्तान ने अंतराष्ट्रीय समुदाय से अपील की है कि वह 2020 में दोहा में अमेरिका के साथ हुए समझौते के तहत तालिबान पर दबाव डाले, ताकि अफगान जमीन का इस्तेमाल दूसरे देशों के खिलाफ न हो। 2020 का दोहा समझौता जिसे अफगानिस्तान में शांति प्रयास भी कहा जाता है। यह अमेरिका और तालिबान के बीच 29 फरवरी 2020 को कतर की राजधानी दोहा में हस्ताक्षरित हुआ था।

यह समझौता अफगानिस्तान में 2001 से चल रहे युद्ध को समाप्त करने और अमेरिकी बलों की वापसी का रास्ता बनाने के लिए किया गया था। तालिबान ने प्रतिबद्धता जताई कि वह अफगानिस्तान की जमीन को अमेरिका और उसके सहयोगी देशों की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने वाले किसी भी समूह या व्यक्ति को इस्तेमाल नहीं करने देगा।

अफगानिस्तान बोला- सही समय पर कड़ा जवाब देंगे

अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने सही समय पर पाकिस्तान को उचित जवाब देने की चेतावनी दी है। मंत्रालय ने इन हमलों को अफगानिस्तान की गोपनीयता नीति का उल्लंघन बताया। अफगान सूत्रों के अनुसार पक्तिका में एक धार्मिक स्कूल पर ड्रोन हमला हुआ और नांगरहार प्रांत में भी कार्रवाई की गई। पाकिस्तान ने कहा है कि उन्होंने आतंकवादी ठिकानों पर हमला किया, लेकिन अफगान स्रोतों के अनुसार नागरिकों को नुकसान हुआ। पाकिस्तान लंबे समय से तालिबान सरकार से मांग करता रहा है कि वह अपनी जमीन का इस्तेमाल किसी भी आतंकी संगठन को न करने दे। इस्लामाबाद का आरोप है कि टीटीपी अफगानिस्तान से संचालित हो रहा है, जबकि तालिबान इन आरोपों से इनकार करता रहा है।

मोदी बोले- देश जानता है कांग्रेसी पहले से नंगे

पीएम बनना चाहते हो तो लोगों के दिल जीतो; मेरठ में रैपिड-मेट्रो रेल का उद्घाटन किया

राष्ट्रबाण मेरठ | एजेंसी rashtrabaan.in

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एआई समिट में कपड़े उतारकर प्रदर्शन करने को लेकर कांग्रेस पर भड़क गए। मेरठ में रविवार को जनसभा को संबोधित करते हुए कहा- भारत में दुनिया का सबसे बड़ा एआई सम्मेलन हुआ। पूरा देश गर्व से भर गया, लेकिन कांग्रेस और इसके इकोसिस्टम ने क्या किया? वैश्विक आयोजन को गंदी और नंगी राजनीति का अखाड़ा बना दिया। विदेशी अतिथियों के सामने कांग्रेस के नेता कपड़े उतारकर पहुंच गए।

मोदी ने कहा- मैं कांग्रेस वालों से पूछता हूं- देश तो जानता है कि आप पहले से ही नंगे हो। फिर कपड़े उतारने की जरूरत क्यों पड़ी? कांग्रेस के नेताओं ने जो कुछ किया, वो दिखाता है कि देश की सबसे पुरानी पार्टी वैचारिक रूप से कितनी दिवालिया और दरिद्र हो गई है। मोदी ने कहा- देखिए दिल्ली में जो हुआ, क्या उसमें टीएमसी, डीएमके या बसपा के लोगों ने पाप किया... नहीं किया। सिर्फ और सिर्फ कांग्रेस के सरफिरे और बेलगाम नेता देश को तबाह करने पर तुले हैं। अगर आपको प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठना है तो पहले आपको लोगों के दिल जीतने होंगे।

इससे पहले, मोदी ने मेरठ मेट्रो और नमो भारत रैपिड रेल को हरी झंडी दिखाई। स्कूली बच्चों और डॉक्टरों के साथ सफर किया। उनसे बातचीत की। 12,930 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया। रैपिड रेल से दिल्ली से मेरठ की 82.15 किमी दूरी सिर्फ 55 मिनट में पूरी होगी। ट्रेन मेरठ मोदीपुरम से शुरू होकर दिल्ली के सराय काले खां तक जाएगी। 13 स्टेशनों से होकर गुजरेगी।

मोदी के संबोधन की बड़ी बातें-

1. कांग्रेस-सपा से कहा था जहरीली राजनीति छोड़िए पीएम मोदी ने कहा- मैंने कांग्रेस, सपा और बसपा को कहा था कि अपनी जहरीली राजनीति छोड़िए और आइए विकास के मुद्दे पर मुकाबला करके देखते हैं। लेकिन, इन दलों ने अपनी जहरीली राजनीति नहीं बदली। भाजपा ने अपनी विकास की नीति को हमेशा सर्वोपरि रखा। इसका एक उदाहरण हमारी मेट्रो भी है। 2014 से पहले यानी कांग्रेस सरकार के समय में 5 ही शहरों में मेट्रो थी। आज 25 से ज्यादा शहरों में मेट्रो चलने लगी है।

2. पहले इन्फ्रास्ट्रक्चर के प्रोजेक्ट घोटालों में गुम हो जाते थे मोदी ने कहा- जब देश में कांग्रेस की सरकार थी तो ये सब संभव ही नहीं था। तब इन्फ्रास्ट्रक्चर के प्रोजेक्ट घोटालों में गुम हो जाते थे। मेट्रो जैसी अधिकतर टेक्नोलॉजी हमें विदेशों से आयात करनी पड़ती थी। हमने घोटाले बंद किए। देश को आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ाया। मेरठ और पश्चिम यूपी वालों का जीवन बदलने वाला है। अब एक ही स्टेशन से, एक ही ट्रैक पर नमो भारत और मेट्रो रेल चलेगी।

मन की बात- पीएम मोदी के देश को तीन मंत्र : टेक्नोलॉजी अपनाएं

ऑर्गन डोनेशन को बढ़ावा दें; साइबर क्राइम से सतर्क रहें

राष्ट्रबाण नईदिल्ली | एजेंसी rashtrabaan.in

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के 131वें एपिसोड में देश को तीन मंत्र दिए। उन्होंने टेक्नोलॉजी, ऑर्गन डोनेशन और साइबर क्राइम पर बात की। इसके साथ ही उन्होंने होली और रमजान की शुभकामनाएं दीं।

पीएम मोदी ने कहा कि दिल्ली में ग्लोबल एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान, कई देश के नेता, उद्योग जगत के लीडर्स, इनोवेटर, टेक कंपनी के दिग्गज जुटे। उन्होंने कहा कि समिट में मैंने दुनिया के लीडर्स को बहुत सी चीजें दिखाईं। एआई की मदद से प्राचीन ग्रंथों को, पांडुलिपि को संरक्षित कर रहे हैं। एग्जीविशन के दौरान सुश्रुत संहिता का डिस्प्ले किया गया। इसे पढ़ने लायक टेक्स्ट में बदला गया।

जयराम रमेश बोले-मोदी तारीफ करते रहे, ट्रम्प टैरिफ लगाते रहे

अमेरिका से ट्रेड डील किसानों के गले में फंदा, एकतरफा समझौता मंजूर नहीं

राष्ट्रबाण नईदिल्ली | एजेंसी rashtrabaan.in

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने रविवार को कहा कि पीएम मोदी तारीफ करते रहते हैं, जबकि ट्रम्प टैरिफ लगाते रहते हैं। मैं यह राष्ट्रपति ट्रम्प के बयानों के आधार पर कह रहा हूं। जयराम रमेश ने कहा कि अगर समझौता होना है तो बराबरी का होना चाहिए। लेन-देन का मतलब यह नहीं है कि भारत सिर्फ देता रहेगा और कुछ लेगा नहीं। रमेश ने कहा कि यह डील संतुलित नहीं बल्कि एकतरफा है। इसका सबसे बड़ा असर देश के किसानों पर पड़ेगा।

'ट्रेड डील किसानों के गले में फंदे जैसा'

कांग्रेस नेता ने कहा कि यह समझौता मक्का, कपास, सोयाबीन, सेब, फल और अखरोट उगाने वाले किसानों के लिए नुकसानदेह हो सकता है। क्या सरकार गारंटी दे सकती है कि जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र और राजस्थान के किसान इस डील से प्रभावित नहीं होंगे? रमेश ने कहा कि यह किसानों के गले में फांसी जैसा है।

प्रयागराज- अविमुक्तेश्वरानंद पर बच्चों के यौन शोषण मामले में एफआईआर : पॉक्सो एक्ट में हुआ केस

शंकराचार्य बोले- मुकदमा करने वाला हिस्ट्रीशीटर, सच सामने आएगा

राष्ट्रबाण प्रयागराज | एजेंसी rashtrabaan.in

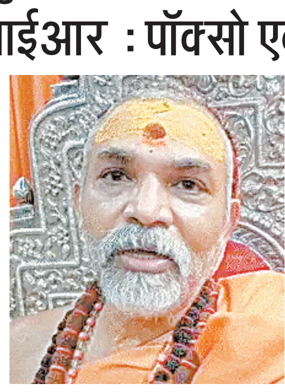

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ नाबालिग बच्चों के यौन शोषण के मामले एफआईआर दर्ज कर ली गई है। प्रयागराज के झूंसी थाने में दर्ज एफआईआर में शंकराचार्य के शिष्य मुकुंदानंद का भी नाम है। झूंसी थाना प्रभारी महेश मिश्रा के मुताबिक, 2-3 अज्ञात के खिलाफ भी पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

दरअसल, जगद्गुरु रामभद्राचार्य के शिष्य आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज की याचिका पर प्रयागराज की पॉक्सो कोर्ट ने शनिवार को एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए थे। आशुतोष ब्रह्मचारी ने कोर्ट में 2 बच्चों को पेश करके गंभीर आरोप लगाए थे। कोर्ट में कैमरे के सामने बच्चों के बयान दर्ज हुए थे। अदालत ने 13 फरवरी को अपना आदेश रिजर्व रख लिया था।

शिकायतकर्ता आशुतोष ब्रह्मचारी ने बताया था- हम दर-दर भटक रहे थे। पुलिस के पास जा रहे थे। हमारी कोई सुनवाई नहीं हो रही थी। इसलिए, न्याय के मंदिर में आए। आज लगा कि न्याय अभी जिंदा है। न्यायालय ने हमें आज न्याय दिया। मैं अब साफ-साफ कहना चाहता हूं कि शिष्यों के साथ यौन शोषण और समलैंगिक अपराध किया गया। इसकी पुष्टि न्यायालय ने कर दी है।

वहीं, अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि रामभद्राचार्य के शिष्य आशुतोष ब्रह्मचारी ने केस किया है। वह हिस्ट्रीशीटर है। जांच में हम सहयोग करेंगे। सच सामने आ जाएगा।

इसमें भारत पर 18% टैरिफ लगना था, अब ट्रम्प ने खुद ही ग्लोबल टैरिफ 15% किया

टैरिफ में बदलाव से भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर बैठक टली

राष्ट्रबाण वॉशिंगटन डीसी | एजेंसी rashtrabaan.in

भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर होने वाली बैठक टल गई है। यह जानकारी न्यूज एजेंसी ने सरकारी सूत्रों के हवाले से दी। बैठक 23-26 फरवरी को वॉशिंगटन में होनी थी। दरअसल समझौते में भारत को 18% टैरिफ देना था, लेकिन शुक्रवार को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने सभी ग्लोबल टैरिफ रद्द कर दिए थे। जिसके बाद ट्रम्प ने शुक्रवार को ही दुनियाभर पर पहले 10% टैरिफ लगाया, फिर 24 घंटे के अंदर ही उसे बढ़ाकर 15% कर दिया।

अब ट्रम्प का 15% ग्लोबल टैरिफ लागू हो रहा है, जो डील वाले 18% से कम है। इसके कारण दोनों पक्षों ने तय किया कि इन बदलावों की समीक्षा के बाद बैठक की नई तारीख तय की जाएगी। बैठक के टलने से अब इस ट्रेड डील में देरी हो सकती है।

इस ट्रेड डील के कारण भारत का टैरिफ घटा था

कॉमर्स मिनिस्टर पीयूष गोयल ने 7 फरवरी को प्रेस कॉन्फ्रेंस में अमेरिका के साथ ट्रेड डील की जानकारी दी थी। उन्होंने बताया था कि भारतीय कृषि उत्पाद अमेरिका में जीरो टैरिफ पर निर्यात किए जाएंगे, जबकि अमेरिका के कृषि उत्पादों को भारत में कोई टैरिफ छूट नहीं दी गई है।

इसके अलावा भारत ने अगले 5 साल में अमेरिका से 50 हजार करोड़ डॉलर (45 लाख 30 हजार करोड़ रुपए) के उत्पाद खरीदने पर सहमति जताई। इसके बाद अंतरिम व्यापार समझौते का फ्रेमवर्क जारी किया गया था। इसके तहत ही भारतीय सामान पर अमेरिका का टैरिफ 25% से घटाकर 18% कर दिया गया है। इसके अलावा रूस से तेल खरीदने को लेकर भारत पर लगाया गया 25% अतिरिक्त टैरिफ भी हटा लिया गया था।

भारत पर कितना टैरिफ लगेगा: अब ट्रम्प के टैरिफ में बदलाव से भारत पर लगे टैरिफ को लेकर यह भी सवाल उठ रहा है कि भारत को 18% टैरिफ देना होगा या 15%। इसकी दो वजहें हैं-

राष्ट्रपति ट्रम्प ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कहा कि भारत के साथ ट्रेड डील पर कोई असर नहीं पड़ेगा। यह पहले की तरह आगे बढ़ेगी।

बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने बताया ब्रिटेन, भारत और यूरोपीय संघ सहित अमेरिका के साथ व्यापार समझौते करने वाले देशों को अब धारा 122 के तहत 10% वैश्विक टैरिफ का ही सामना करना पड़ेगा, न कि उस टैरिफ दर का जिस पर उन्होंने पहले बातचीत की थी।

कहानियां बनीं लर्निंग का मजेदार टूल

एक सजे-धजे हॉल में टीनएजर्स का एक समूह बैठा हुआ है। वे सभी किसी बात पर न सिर्फ हंस रहे हैं, बल्कि इंस्ट्रक्टर से लगातार इंटरैक्शन भी कर रहे हैं। मगर यह किसी टीचर की क्लास नहीं है। असल में ब्रिटेन की स्टोरीटेलर एमिली हेनेसी किसी पेड़ के नीचे या हॉल में बड़े ही मजेदार तरीके से एक भारतीय लोक कथा सुनाती हैं। दुनिया के ज्यादातर देशों में स्टोरीटेलिंग या कथा-कथन किसी-न-किसी रूप में आज भी मौजूद है। हम सभी को बचपन में दादी, नानी कहानियों के जरिए शिक्षा देती रही हैं।

लोक कथाओं या पौराणिक कहानियों से न सिर्फ मन–मस्तिष्क तनाव–मुक्त होता है, बल्कि रोचक अंदाज में सुनाई जाने वाली कहानियों से पढ़ाई की कठिन बातें समझने में भी आसानी होती है। इस बात को नए दौर के शिक्षाविद भी मान रहे हैं। कठिन सवालों के जवाब पपेटियर और स्टोरीटेलर पूरन भट्ट कहते हैं, आपके सामने मैथ्स के कठिन सवाल हों या विज्ञान के थ्योरम्स, इन्हें पपेट (कठपुतली) के जरिए आसानी से समझा जा सकता है। रंगबिरंगे, अलग–अलग आकृति के पपेट मस्तिष्क पर विशेष प्रभाव डालते हैं। अगर इनके मुंह से स्टडी मटेरियल से जुड़ी बातें कहलवाई जाएं, तो ये लंबे समय तक याद रह सकती हैं। कॉलेज स्टूडेंट रोहन ने पिछले दिनों वीकएंड पर पपेट स्टोरीटेलिंग में हिस्सा लिया था। इस दौरान उन्होंने पपेट के जरिए ही कई नई बातें सीखीं। वे कई ऐसे जरूरी काम करना भी सीख गए, जो पहले नहीं कर पाते थे। स्टोरीटेलर पूरन भट्ट बताते हैं कि कहानियां कई तरह की हो सकती हैं। वे पुरानी भी हो सकती हैं और नई भी। स्थान और विषय के हिसाब से पपेट द्वारा कहानियां कही जा सकती हैं।

रिफ्रेश होता है दिमाग

तारों से लटकते हुए तरह–तरह के मास्क... पर्दे के पीछे से बारी–बारी से आती डरावनी और मधुर आवाजें...। इन सब के बीच योरपीय फोक टेल्स सुनाते ब्रिटेन के टिम राल्फ। टिम मॉडर्न आर्ट फॉर्म के जरिए स्टोरीटेलिंग करते हैं। इसके लिए उन्हें स्टोरीटेलिंग एक्सीलेंस का ब्रिटिश अवॉर्ड भी मिल चुका है। उनकी कहानियां सुनने ऐसे किशोर व युवा भी आते हैं, जो अपने ऊपर पढ़ाई का दबाव महसूस करते हैं। टिम कहानियां कहने के लिए संगीत की भरपूर मदद लेते हैं। उनके चेहरे के हाव–भाव देखकर सामने वाला हंसे बिना नहीं रह पाता। वे कहते हैं, इन दिनों किशोरों पर पढ़ाई का दबाव कुछ अधिक है। ऐसी स्थिति में कुछ पल हंसी उन्हें तनाव मुक्त कर देती है। स्टोरीटेलिंग के माध्यम से हम कई नई चीजें भी सीख सकते हैं।

आज के फॉर्मेट में

शकुंतला नॉवेल के लेखक उत्कर्ष पटेल ऑनलाइन टॉकिंग मिथ्स प्रोजेक्ट के संस्थापक भी हैं। इसमें स्टोरीटेलिंग के माध्यम से भारतीय उपमहाद्वीप की पौराणिक कहानियों को आर्काइव किया जाता है। इसे सबसे ज्यादा हिट टीन्स से ही मिलते हैं। उत्कर्ष बताते हैं, यदि घिसे–पिटे ढर्रे के बजाए पौराणिक कथाओं को आज के संदर्भ में पेश किया जाए, तो यह न सिर्फ मनोरंजक, बल्कि शिक्षाप्रद भी होगा। हां, इसकी रोचकता बरकरार रहनी चाहिए।

एकाग्रता बढ़ाने में मदद

उषा वेंकटरमन पिछले 18 वर्षों से नाटक और संगीत की मदद से लोगों को भारत और विदेशों की लोक कथाएं व पौराणिक कहानियां सुना रही हैं। वे कहती हैं, मैं गाने गाकर या पपेट के जरिए भारतीय लोक कथाएं और पौराणिक कथाएं सुनाती हूं।
उषा कहानियों के बीच में पहेलियां और चुटकुले भी सुनाती हैं। इसके बाद वे श्रोताओं से सवाल करती हैं। वे कहती हैं, इंटरैक्शन से ही एकाग्रता विकसित होती है। एकाग्रता से आपके व्यक्तित्व में निखार आता है। दरअसल, स्टोरीटेलिंग की ताकत इतनी ज्यादा होती है कि आप कहानियों से जुड़े बिना नहीं रह सकते।

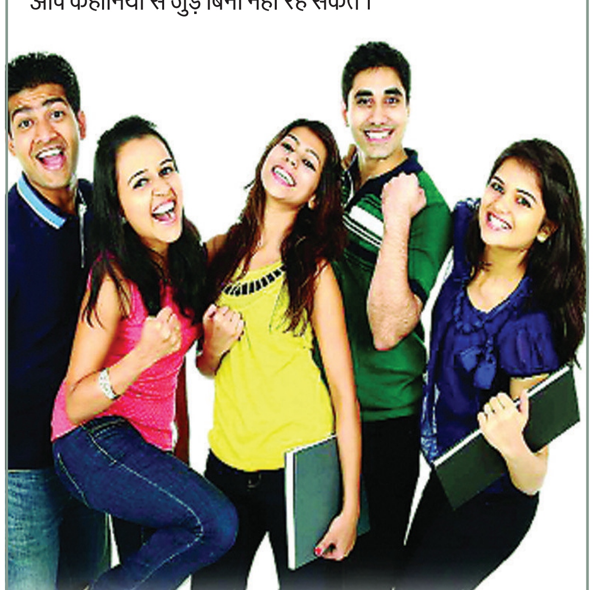

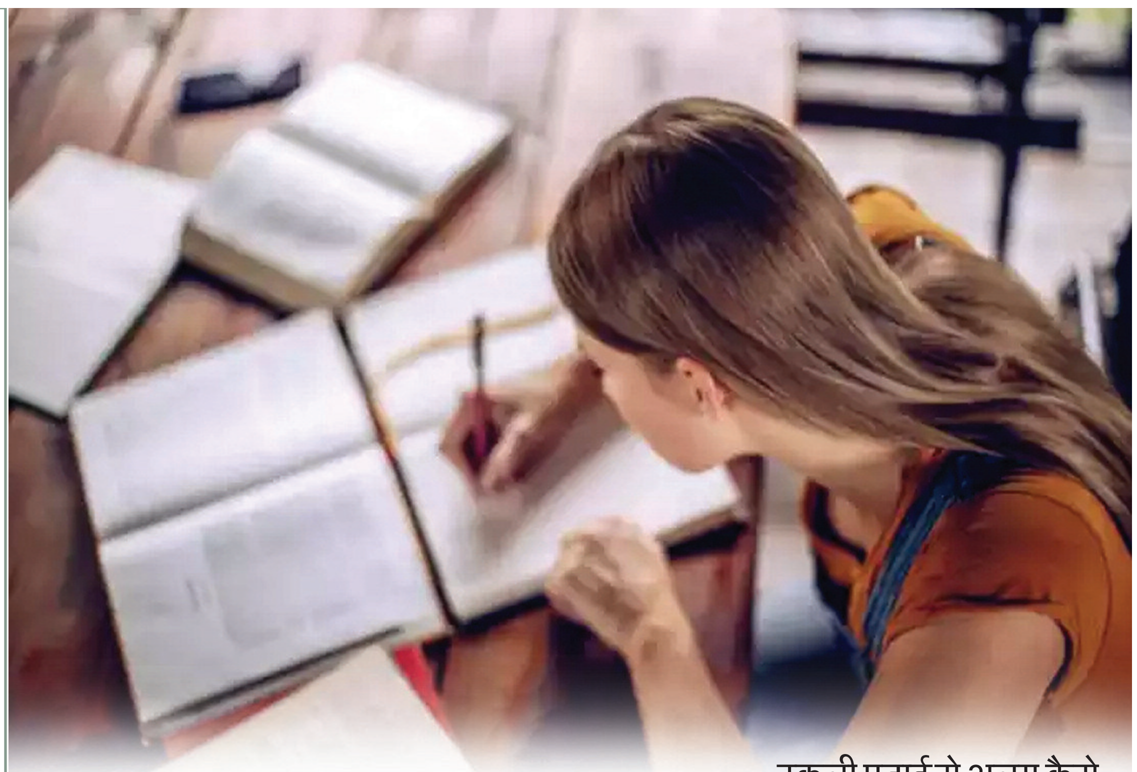

एनडीए- एनए परीक्षा के लिए प्लानिंग के साथ पढ़ाई भी जरूरी है

अगर आप रक्षा सेवाओं में जाकर देश की सेवा करना चाहते हैं और आपमें इसके लिए जरूरी साहस व जज्बा है, तो एनडीए परीक्षा आपका पहला पड़ाव होगी। इस परीक्षा के लिए प्रशिक्षण देने हेतु कई कोचिंग इंस्टीट्यूट तो हैं मगर इसमें सफल होने के लिए आपमें दृढ़ निश्चय और जुनून का होना भी जरूरी है। यदि आप यह परीक्षा देने जा रहे हैं और आपने अभी तक इसकी कोई खास तैयारी नहीं की है, तो सही प्लानिंग के साथ पढ़ाई करना बहुत जरूरी हो जाता है।

सिलेबस

इस परीक्षा में दो पेपर होते हैं – मैथमेटिक्स (120 प्रश्न, 300 अंक) और जनरल एबिलिटी (150 प्रश्न, 600 अंक)। प्रत्येक पेपर ढाई–ढाई घंटे का होता है। हर गलत उत्तर पर 1/3 अंक काटा जाता है। गणित के पेपर में इन विषयों से प्रश्न पूछे जाएंगे- अल्जेब्रा, मेट्राइसेज एंड डिटरमिनेंट्स, ट्रिगॉनोमेट्री, एनालिटिकल ज्योमेट्री ऑफ टू एंड थ्री डायमेंशंस, डिफ्रेंशियल कैल्कुलस, इंटीग्रल कैल्कुलस एंड डिफ्रेंशियल इक्वेशंस, वेक्टर अल्जेब्रा, स्टैटिस्टिक्स एंड प्रॉबैबिलिटी। दूसरे पेपर (जनरल एबिलिटी टेस्ट) में पहला हिस्सा इंग्लिश लैंग्वेज का और दूसरा जनरल नॉलेज का होगा। जनरल नॉलेज के तहत इन विषयों से प्रश्न पूछे जाएंगे- फिजिक्स, केमिस्ट्री, जनरल साइंस, हिस्ट्री, फ्रीडम मूवमेंट, ज्योग्राफी, करंट इवेंट्स।

लास्ट मिनिट टिप्स

जब परीक्षा बिल्कुल सिर पर हो, तो अक्सर विद्यार्थी घबराहट में कुछ–न–कुछ गड़बड़ कर बैठते हैं। इससे बचने के लिए इन बातों का ध्यान रखें–

- अनावश्यक तनाव आपका सबसे बड़ा दुश्मन साबित हो सकता है। इसलिए अपने आप पर भरोसा करें और शांत बने रहें।
- आपका दिमाग अच्छी तरह काम करे, इसके लिए पर्याप्त आराम लेना जरूरी है। परीक्षा से पहले की रात अच्छे से सोएं।
- लास्ट मिनिट रिविजन में फॉर्मूलों और शॉर्ट ट्रिक्स पर एक बार फिर नजर डाल लें।
- परीक्षा वाले दिन हल्का और पौष्टिक भोजन लें।
- पेपर सॉल्व करने में टाइम मैनेजमेंट का ध्यान जरूर रखें। जिस प्रश्न का उत्तर तुरंत नहीं सूझ रहा, उस पर समय बर्बाद न करें। आगे बढ़ जाएं। बाद में समय होने पर उस प्रश्न पर लौटें।
- अंत में यदि समय बचे, तो सारे उत्तरों को रिवाइज कर लें।

स्कूली पढ़ाई से अलग कैसे

ऐसी सलाह दी जाती है कि एनडीए एग्जाम की तैयारी 11वीं से ही शुरू कर देनी चाहिए। दरअसल एनडीए एग्जाम का सिलेबस स्कूल करिकुलम जैसा ही है, इसलिए यदि आपने स्कूल में बेसिक कॉन्सेप्ट समझ लिए हैं, तो इस परीक्षा में आपको कोई विशेष दिक्कत नहीं आनी चाहिए। मगर केवल स्कूल की पढ़ाई करने से एनडीए प्रवेश परीक्षा में सफल होने की गारंटी नहीं मिल जाती। कारण यह कि स्कूल आपको इस परीक्षा के लिए तैयार नहीं करते। इसके लिए अलग से कोचिंग लेना ठीक रहता है। किसी मेंटर से मार्गदर्शन लेने और टेस्ट सिरीज सॉल्व करने से आपको फायदा होता है।

ताकत–कमजोरी का आकलन

मॉक टेस्ट पेपर और सैंपल पेपर सॉल्व करने से आप अपनी ताकत और कमजोरियों का आकलन कर सकते हैं। अपनी कमजोरियां पहचानने पर उन्हें जल्द–से–जल्द दूर करने का प्रयास करें। स्पीड भी, एक्यूरेसी भी इस परीक्षा में लाखों होनहार युवा शामिल होते हैं। ऐसे में सफल होने के लिए स्पीड भी जरूरी है और एक्यूरेसी भी। मैथमेटिक्स के हर कैल्कुलेशन के लिए पेन–पेपर का इस्तेमाल करने से बचें। ऐसी ट्रिक्स अपनाएं, जिनसे आप मन में ही कैल्कुलेशन कर सकें। इससे आपकी स्पीड बढ़ेगी। मगर ध्यान रहे, स्पीड के चक्कर में एक्यूरेसी से समझौता न करें क्योंकि इस परीक्षा में निगेटिव मार्किंग भी होती है।

अनुशासन जरूरी

यूं तो किसी भी परीक्षा की तैयारी के लिए अनुशासन बहुत जरूरी होता है मगर यहां तो आप ऐसे करियर की तैयारी कर रहे हैं, जिसमें जीवन भर अनुशासन का पालन करना बेहद जरूरी होगा। इसलिए अभी से ही इसकी आदत डाल लें और पूरे अनुशासन के साथ पढ़ाई करें। यह आगे भी आपके काम आएगा।

अपने कार्यस्थल पर अपनी आइडेंटिटी तलाशें

आप हाल ही में कॉलेज से निकले हैं या आपने किसी कंपनी में एक नई पोजिशन पर ज्वॉइन किया है तो आपको इस बात में थोड़ा समय लग सकता है कि आखिरी आपकी मंजिल क्या है और आप क्या कर रहे हैं। इसलिए आपको अपनी करियर आइडेंटिटी पर काम करना जरूरी है। करियर आइडेंटिटी से मतलब दूसरे से अलग करने वाला आपका काम और आप। एक बार आपको यह बात समझ आ गई कि आप अपने ऑफिस में क्यों है, अपने सहकर्मियों को क्या योगदान दे रहे हैं तो यह सब अलग लगने लगेगा। अपने कार्यस्थल पर अपनी आइडेंटिटी तलाशने के लिए आपको ये काम करना होगा।

अलग–अलग चीजें करें

असफल होने का डर हमारे आसपास मंडराता रहता है। लेकिन आपको यह समझना होगा कि कोशिश करने के बाद भी विफल होना गलत नहीं है। अगर आप नहीं समझ पा रहे हैं कि आपकी करियर आइडेंटिटी क्या है तो आपको अलग–अलग चीजें करने से डरना नहीं चाहिए। जिसने तरह के काम आप करेंगे आप अपने काम को लेकर पैशनेट होएंगे।

शंका है तो जरूर अप्लाई करें

अगर आप अपने करियर के साथ वाकई कुछ खास करना चाहते हैं तो आपको कुछ इंटरेस्टिंग रिस्क लेनी होती है। अगर आपको यह लगता है कि किसी कंपनी में आपको जॉब नहीं मिलेगी तो वहां जरूर अप्लाई करे। अगर आपको करियर आइडेंटिटी डेवलप करनी है तो आपको विश्वास के साथ आगे बढ़ना होगा। अप्लाई करने से ज्यादा से ज्यादा क्या होगा, आपका रिज्यूमे रिजेक्ट होगा और आप अगली जॉब लिस्टिंग की तरफ देखेंगे।

आपकी इमोशनल अपील

करियर आइडेंटिटी डेवलप करना आसान है जब आपको पता हो कि आप लोगों को किस तरह से इमोशनल अपील कर पाते हैं। क्या आप सुपर रिलायबल है, क्या आप क्रिएटिव है। क्या आप ऐसे शख्स है जो क्राइसेस के दौरान मौजूद रहते हैं।

काम के बारे में सोचे

नौ से पांच की नौकरी में यह भूल जाना आसान है कि पहले स्थान पर क्यों थे जब पूरा समय आपका स्प्रेडशीट्स और मीटिंग्स में गुजर जाए। लेकिन अगर आप काम का केंद्र अपने एक्शंस पर रखें तो आप अपनी करियर आइडेंटिटी को आसानी से बना सकते हैं।

वीसा इंटरव्यू में जाने से पहले समझ लें रूल्स

आज कई स्टूडेंट्स, प्रोफेशनल्स यूएस में पढ़ते या काम करते हैं। ऐसे में जब वीसा लेने की बारी आती है तो उसे लेकर काफी असमंजस रहता है। वीसा इंटरव्यू के दौरान छोटी-छोटी गलतियां आपके लिए मुसीबत बन जाती है। बेहतर है कि इंटरव्यू में जाने से पहले आप उसके रूल्स समझ लें। यह जान लें कि आखिर इंटरव्यू के दौरान कौन सी चीजें ले जाने की अनुमति नहीं है, इससे आप किसी भी तरह की असुविधा से बच सकते हैं।

अमेरिकी दूतावास व कॉन्सुलेट्स चाहते हैं कि आपका वीसा इंटरव्यू सुरक्षित व सुगम हो। वीसा आवेदक और यूएस मिशन इंडिया के परिसरों में आने वाले सभी लोगों को सुरक्षा नियमों का पालन करना होता है। निषिद्ध वस्तुओं की सूची इस प्रकार है –

- बैटरी ऑपरेटेड या इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, जैसे मोबाइल फोन, कार की रिमोट चाबी, डिजिटल डायरी, पेजर, कैमरा, ऑडियो–वीडियो कैसेट, कॉम्पेक्ट डिस्क, एमपी3, फ्लॉपी डिस्क, फ्लैश ड्राइव, मेमोरी स्टिक, ब्लू टूथ डिवाइस, लैपटॉप या टैबलेट कम्प्यूटर तथा पोर्टेबल म्यूजिक प्लेयर।
- बड़े शोल्डर बैग/पर्स, ट्रैवल बैग, बैकपैक, ब्रीफकेस या सूटकेस। केवल ऐसे बैग लाने की अनुमति होगी, जो हाथ में उठाए जा सकें, जैसे खुले प्लास्टिक बैग, जिनमें आवेदन से संबंधित कागजात हों या फिर कपड़े की छोटी थैलियां व जिप फोल्डर।
- कोई भी खाद्य या पेय सामग्री।
- कॉस्मेटिक्स (इनमें सप्रे परफ्यूम/ कोलोन तथा टैलकम/ बेबी पावडर शामिल है)।
- सीलबंद लिफाफे या पैकेज।
- ज्वलनशील पदार्थ, जैसे सिगरेट, सिगार, माचिस, लाइटर।
- चाकू–छुरी व अन्य धारदार वस्तुएं, जैसे कैंची व नेल फाइल।
- हथियार या ऐसी कोई भी वस्तु जिसका हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा सके।
- लंबे हैंडल वाले छाते (जो बंद होने पर 40 सेंटीमीटर से अधिक लंबे हों)।

हालांकि यह सूची संपूर्ण नहीं है। इनके अलावा भी किसी वस्तु पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है। कुल मिलाकर, आप अपने साथ जितना कम सामान लेकर आएं, उतना बेहतर होगा।

वर्कप्लेस पर प्रोडक्टिव रहने के आसान तरीके

हम सभी कम समय में ज्यादा काम पूरा करने की इच्छा रखते हैं लेकिन लंबे समय में इसे कैसे आदत बनाएं और किस तरह बरकार रख सकते हैं। वर्कप्लेस पर प्रोडक्टिव रहने के तीन सामान्य और आसान तरीके अपना सकते हैं।

- व्यक्तिगत जीवन में काम करने के तरीकों में बदलाव लाकर आप ऑफिस में ज्यादा प्रोडक्टिव हो सकते हैं। इसका सबसे अच्छा तरीका है, एक समय पर एक काम पर ध्यान देना और यह आपके काम, व्यक्तिगत जीवन, सामाजिक व सामुदायिक जीवन और स्वास्थ्य को सकारात्मक तरीके से प्रभावित करेगा। इस बात को उदाहरण से इस तरह समझा जा सकता है कि अगर आप अपने वर्क डेस्क पर ही सैंडविच खा रहे हैं तो यह सबसे पहले बंद कीजिए। बजाए इसके आप अपने पसंद के सहकर्मी के साथ हेल्दी लंच करें। यह आपका स्वास्थ्य, आपकी प्रोफेशनल लाइव और कम्यूनिटी रिलेशन को इम्प्रूव करेगा। आप भले ही लंच लेने को कोई प्रोडक्टिव एक्टिविटी न मानते हो लेकिन इससे आप मल्टीपल गोल्स पूरा करते हैं।
- प्रोडक्टिव होने का एक और तरीका है अपनी एनर्जी और टाइम को मैनेज करना। ऐसे कामों की सूची बनाइए जिसे पूरा करना है लेकिन जिसमें कम मेंटल एनर्जी की जरूरत हो। अगर आप शाम को बेहतर काम कर पाते हैं तो आप सुबह काम की धीमी शुरुआत करें और चैलेंजिंग टास्क को दिन के दूसरे पहर में पूरा करें।
- अगर आपको जरूरी काम दूसरे दिन करना हो तो बेहतर है कि एक रात पहले अपने कैलेंडर को एग्जामिन कर लें। आपके काम को बांट लें और काम को पूरा करने के लिए माइक्रो–गोल्स की लिस्ट तैयार कर लें। प्रोडक्टिविटी का राज अपने कमिटमेंट को पूरा करना और समय के साथ अनुशासन बनाए रखना है। प्राडेक्टिविटी आपके लिए क्या है, अगर आप यह समझ गए तो अपने हाथ के काम को पूरा करने के लिए जरूरी एनर्जी आपको मिलेगी और कम समय में भी आप बेहतर रिजल्ट दे पाएंगे।

राष्ट्रबाण
सिवनी, सोमवार 23 फरवरी 2026

बैतूल राष्ट्रबाण

● मुलताई ● बैतूल बाजार ● आमला ● भैंसादंड ● सारणी ● बोरदई ● आठनेर

कलाकारों के लिए विश्वस्तरीय ऑडिटोरियम और खेल सुविधाएं होंगी विकसित : हेमंत खंडेलवाल

समाजसेवा और प्रतिभा का सम्मान, पचहत्तर कदम टीम व कृतिका धोटे सम्मानित

सुरों की संध्या में उठी मांग, बैतूल को मिले आधुनिक सांस्कृतिक भवन

सिद्धांतों की राजनीति के प्रतीक थे विजय खंडेलवाल : डीडी उइके

राष्ट्रबाण
बैतूल| संवाददाता
rashtrabaan.in

शब्द संस्था द्वारा आयोजित स्व. विजय खंडेलवाल की स्मृति में संगीतमय श्रद्धांजलि कार्यक्रम सुरों की गूंज के साथ सामाजिक सरोकार का मंच भी बन गया। कार्यक्रम के दौरान नगर में आधुनिक सुविधाओं से युक्त सांस्कृतिक भवन निर्माण की मांग प्रमुखता से उठाई गई, जिस पर जनप्रतिनिधियों ने सकारात्मक संकेत दिए।

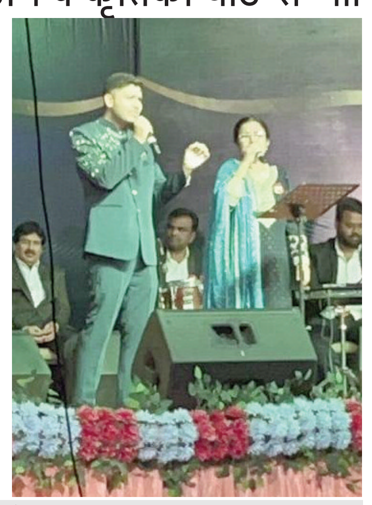

- गीतों ने बांधा समां, श्रोता झूमे

कार्यक्रम का आगाज जरा देखिए ना गीत से हुआ। परिधि बघेल की प्रस्तुति ने श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। इसके बाद किशोर पाराशर ने आदमी जो कहता है जैसे संजीदा गीत से वातावरण भावुक कर दिया। नवोदित शुभ ठाकुर ने तुमने पुकारा और हम चले आए तथा आखिरी गीत मोहब्बत का प्रस्तुत कर प्रभाव छोड़ा। धीरज बोथरा ने जुबा पर दर्द भरी दास्तां, संगीता श्रीवास्तव ने यारा सिली सिली और नन्ही बोथरा ने तुम जो मिल गए हो गीत प्रस्तुत कर सराहना पाई। विनय चौहान और अजय मिश्रा के गीतों को भी दर्शकों ने खूब सराहा। योगू शर्मा, प्रदीप चौबे और अशोक टेकाम ने भी अपनी आवाज का जादू बिखेरा।

हाल की आवश्यकता पर जोर

कार्यक्रम के सूत्रधार नरेंद्र सिंह ठाकुर ने कहा कि बैतूल में एक सांस्कृतिक हाल का होना अत्यंत आवश्यक है, जिससे आयोजनों में लगने वाला खर्च कम हो सके और स्थानीय कलाकारों को बेहतर मंच मिल सके।

- सधा हुआ रहा संगीत संयोजन और संचालन

नामदेव अतुलकर के साथ इंदौर से अभिजीत सिंह, मिसरोद से तरुण पहाड़े, शरद पारधी, शिवम धोटे, अर्जुन धुर्वे, स्वास्तिक जोसेफ, रितेश यादव, संतोष करोले और दर्शन जैन ने संगीत संयोजन को प्रभावी बनाया। कार्यक्रम प्रारंभ से पूर्व आयोजन की जानकारी मंच से दिनेश जोसेफ द्वारा दी गई। मंच संचालन नरेंद्र ठाकुर अजय दुबे और ओम द्विवेदी ने किया।

- समाजसेवा और प्रतिभा का सम्मान

स्व विजय खंडेलवाल स्मृति में समाजसेवा पुरस्कार पचहत्तर कदम टीम को प्रदान किया गया। वहीं विधि संकाय में गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाली कृतिका धोटे को प्रतिभा सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सुर, श्रद्धा और सामाजिक संकल्प का संगम देखने को मिला।

कलाकारों के लिए विश्वस्तरीय सुविधाओं का आश्वासन

विधायक एवं मध्य प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि बैतूल में कलाकारों के लिए अत्याधुनिक ऑडिटोरियम विकसित किया जाएगा और खेलों का स्वरूप भी विश्व स्तरीय बनाया जाएगा। उन्होंने सांस्कृतिक और खेल अधोसंरचना को समान प्राथमिकता देने की बात कही।

सांसद एवं केंद्रीय मंत्री दुर्गादास उइके ने स्व. विजय खंडेलवाल के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने सदैव सिद्धांतों की राजनीति पर विश्वास रखा और जनसेवा को प्राथमिकता दी। उनके कार्यों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि उनका योगदान समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। कार्यक्रम संयोजक प्रमोद अग्रवाल ने कहा कि स्व.विजय खंडेलवाल की स्मृति सदैव लोगों के दिलों में जीवित रहेगी और उनकी स्मृति में शब्द संस्था द्वारा संगीतमय श्रद्धांजलि का आयोजन आगे भी किया जाता रहेगा। उन्होंने उनके अवसान को अपूरणीय क्षति बताया।

पांच दिवसीय विशेष प्रशिक्षण के बाद मिला प्रमाण पत्र

उज्जैन के सर्प अनुसंधान केंद्र में सम्मानित हुए बैतूल के लोकेश मंडलेकर

सर्पों की पहचान से लेकर सर्पदंश प्रबंधन तक दी गई विस्तृत जानकारी

राष्ट्रबाण
बैतूल| संवाददाता
rashtrabaan.in

बैतूल बाजार क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सुनारखापा के सक्रिय सर्प रेस्क्यूकर्ता लोकेश (लकी) मंडलेकर को उज्जैन स्थित सर्प अनुसंधान केंद्र में 17 फरवरी से 21 फरवरी तक आयोजित पांच दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह विशेष प्रशिक्षण देश के प्रख्यात सर्प विशेषज्ञ डॉ. मुकेश इंगले के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण के दौरान सर्पों की विभिन्न प्रजातियों की पहचान, विषैले एवं अविषैले सर्पों में अंतर, सुरक्षित रेस्क्यू तकनीक, सर्पदंश प्रबंधन तथा जनजागरूकता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत और वैज्ञानिक जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में बैतूल जिले से वन विभाग, नर्सिंग ऑफिस, सिविल डिफेंस के प्रतिनिधियों सहित जिले के सभी सर्पमित्र उपस्थित रहे।

लोकेश (लकी) मंडलेकर लंबे समय से क्षेत्र में सर्पों का सुरक्षित रेस्क्यू कर जनसेवा और जागरूकता का कार्य कर रहे हैं। इस प्रशिक्षण के बाद उनकी तकनीकी दक्षता में और अधिक वृद्धि हुई है, जिससे वे भविष्य में और अधिक सुरक्षित, वैज्ञानिक और व्यवस्थित तरीके से सर्प संरक्षण का कार्य कर सकेंगे।

घर में घुसकर मारपीट और तोड़फोड़ का आरोप, एसपी से शिकायत

समाजसेवा की आड़ में गुंडागर्दी का आरोप, पीड़ित परिवार ने की निष्पक्ष जांच की मांग

राष्ट्रबाण
बैतूल| संवाददाता
rashtrabaan.in

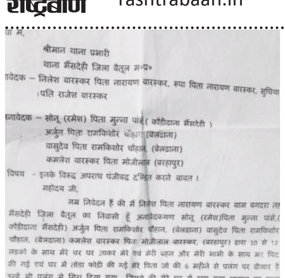
श्रीमान थाना प्रभारी
थाना भैंसदेही जिला बैतूल म०प्र०
आवेदक – निलेश बारस्कर पिता नारायण बारस्कर, रूपा पिता नारायण बारस्कर, सुधिया पति राजेश बारस्कर
अनावेदक – सोनू (रमेश) पिता मुन्ना पांसे (कौड़ीढाना भैंसदेही)
अर्जुन पिता रामकिशोर चौहान (बेलढाना)
वासुदेव पिता रामकिशोर चौहान (बेलढाना)
कमलेश बारस्कर पिता मोजीलाल (बरहापुर)
विषय – इनके विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध करने बावत।
महोदय जी,
[illegible]

भैंसदेही थाना क्षेत्र के ग्राम बगदरा में घर में घुसकर मारपीट और तोड़फोड़ करने का आरोप लगाते हुए एक परिवार ने पुलिस अधीक्षक को आवेदन सौंपकर कार्रवाई की मांग की है। आवेदन में लगाए गए आरोपों के अनुसार घटना 17 फरवरी की बताई गई है।

आवेदक निलेश बारस्कर, रूपा बारस्कर और सुधिया बारस्कर ने पुलिस अधीक्षक को दिए आवेदन में उल्लेख किया है कि ग्राम कौड़ीढाना निवासी सोनू उर्फ रमेश पांसे तथा उसके साथियों अर्जुन चौहान, वासुदेव चौहान, कमलेश बारस्कर और अन्य 10 से 12 युवकों ने कथित रूप से उनके घर में घुसकर मारपीट की और घर में तोड़फोड़ की। आवेदन में यह भी कहा गया है कि घटना के दौरान परिवार की महिलाओं के साथ अभद्रता, मंगलसूत्र खींचने और गला दबाने जैसी हरकत की गई।

परिवार का आरोप है कि घटना में उनके बीमार पिता, जो पिछले छह माह से बिस्तर पर हैं, उनको भी धक्का लगने से पलंग से गिरा दिया गया। आवेदन में घरेलू सामान और आभूषणों को नुकसान पहुंचने की बात कही गई है तथा लाखों रुपये के आर्थिक नुकसान का अनुमान बताया गया है। हालांकि इस संबंध में आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है।

आवेदकों ने यह भी आरोप लगाया है कि आरोपियों के पास धारदार हथियार थे और उन्होंने हमला करने की कोशिश की। पड़ोसियों द्वारा बीच-बचाव किए जाने की बात भी आवेदन में कही गई है। साथ ही यह उल्लेख किया गया है कि रिपोर्ट दर्ज कराने जाते समय मुख्य आरोपी और उसके साथियों द्वारा जान से मारने की धमकी दी गई।

मामले में समाजसेवा की आड़ में लोगों को ब्लैकमेल कर लेनदेन करने जैसे गंभीर आरोप भी लगाए गए हैं। आवेदकों ने पुलिस अधीक्षक से निष्पक्ष जांच कर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई करने की मांग की है।

हरिद्वार में पतंजलि संस्थानों का किया विस्तृत अध्ययन

बैतूल। ओम आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, भारत भारती जामठी बैतूल के द्वितीय वर्ष सत्र 2023-2024 के छात्र-छात्राओं को महाविद्यालय द्वारा 10 दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण पर भेजा गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने हरिद्वार स्थित पतंजलि आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज, पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन, पतंजलि आयुर्वेद अस्पताल तथा पतंजलि आपातकालीन चिकित्सा सेंटर का विस्तार से भ्रमण और अवलोकन किया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति, शोध कार्यों एवं आपातकालीन सेवाओं की कार्यप्रणाली को नजदीक से समझा। हर्बल गार्डन में विभिन्न औषधीय पौधों की जानकारी देते हुए डॉ. अरुण कुशवाहा ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.डॉ. गिरिश के.जे. ने सभी छात्र-छात्राओं को सफलतापूर्वक 10 दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण पूर्ण करने पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस शैक्षणिक भ्रमण के लिए आवश्यक अनुमतियां महाविद्यालय के द्रव्यगुण विभाग के अध्यक्ष डॉ. रमाकांत मर्डे के सहयोग से प्राप्त की गई। भ्रमण की रूपरेखा अध्यक्ष गणेश मालवीय, कोषाध्यक्ष संतोष पाल एवं प्राचार्य डॉ. विजय माने के मार्गदर्शन में तैयार की गई।

सहकारिता आंदोलन आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव : हेमंत खंडेलवाल

सामूहिक विकास की मजबूत आधारशिला होती हैं सहकारी संस्थाएं : सोलंकी

- आमजन के लिए भरोसेमंद वित्तीय सहयोग का केंद्र बनेगी मातृसेवा निधि : राठौर
- मातृसेवा निधि साख सहकारी संस्था का भव्य शुभारंभ
- आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में बैतूल का ऐतिहासिक कदम

राष्ट्रबाण
बैतूल| संवाददाता
rashtrabaan.in

जिले में सहकारिता एवं आर्थिक आत्मनिर्भरता को नई दिशा देते हुए मातृसेवा निधि साख सहकारी संस्था मर्यादित, बैतूल का भव्य उद्घाटन रविवार, 22 फरवरी को राधाकृष्ण धर्मशाला, गंज बैतूल में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह में जनप्रतिनिधियों, शिक्षाविदों, समाजसेवियों, भूतपूर्व सैनिकों एवं बड़ी संख्या में नागरिकों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के चेयरमैन डॉ. ओ.पी. राठौर द्वारा बैंक की कार्यप्रणाली एवं उद्देश्यों के विस्तृत विवरण से हुआ। उन्होंने बताया कि संस्था का उद्देश्य सुरक्षित बचत, सुलभ ऋण सुविधा एवं पारदर्शी वित्तीय सेवाएं उपलब्ध कराकर आमजन को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मातृसेवा निधि क्षेत्र के नागरिकों के लिए भरोसेमंद वित्तीय सहयोग का केंद्र बनेगी।

समारोह में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद हेमंत खंडेलवाल, केंद्रीय मंत्री डी.डी. उइके, संगठन मंत्री, सेवा भारती मध्य भारत प्रांत सुरेंद्र सोलंकी के साथ पूर्व विधायक, पूर्व सैनिक एवं राठौर समाज के पूर्व जिला अध्यक्ष शिवप्रसाद राठौर की गरिमामयी उपस्थिति रही।

मुख्य अतिथि सुरेंद्र सोलंकी ने कहा कि सहकारी संस्थाएं सामाजिक विश्वास, पारदर्शिता और सामूहिक विकास की मजबूत आधारशिला होती हैं तथा यह पहल आत्मनिर्भर समाज निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

हेमंत खंडेलवाल ने सहकारिता आंदोलन को आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव बताते हुए संस्था के प्रयासों की सराहना की।

केंद्रीय मंत्री डी.डी. उइके ने कहा कि सहकारी संस्थाएं समाज के अंतिम व्यक्ति तक आर्थिक सेवाएं पहुंचाकर विकास की नई संभावनाएं सृजित करती हैं और स्थानीय युवाओं व किसानों को सशक्त बनाती हैं।

इस अवसर पर शिवप्रसाद राठौर ने अपने उद्बोधन में कहा सहकारिता आर्थिक व्यवस्था के साथ ही समाज को एक सूत्र में बांधने की सशक्त भावना है। मातृसेवा निधि जैसी संस्थाएं क्षेत्र के नागरिकों के विश्वास को मजबूत करेंगी और नई पीढ़ी को आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा देंगी।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों एवं नागरिकों ने संस्था की इस पहल की सराहना करते हुए इसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अंत में आभार प्रदर्शन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

एमडी ने किया पावर प्लांट का दौरा.नई इकाई के निर्माण का लिया जायजा

एक दिवसीय दौरे पर नये एवं पुराने प्लांट पर की चर्चा

राष्ट्रबाण
बैतूल| संवाददाता
rashtrabaan.in

मध्य प्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के एमडी मनजीत सिंह एक दिवसीय दौरे पर पावर प्लांट सारनी पंहुचे.एमडी ने पावर प्लांट के अधिकारियों से चर्चा कर नए प्लांट के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी ली.इस मौके पर चीफ इंजीनियर एस के लिल्लोरे. एडिशनल चीफ इंजीनियर गुप्ता,एसएन सिंह.मनीष शर्मा, अधीक्षण अभियंता सर्विसेस संजय जोशी, श्री देशमुख, अधीक्षण अभियंता सिविल श्री सोनी, श्री गुमास्ता सुरक्षा अधिकारी एसके राघव सहित जबलपुर मुख्यालय के अधिकारी मौजूद थे.

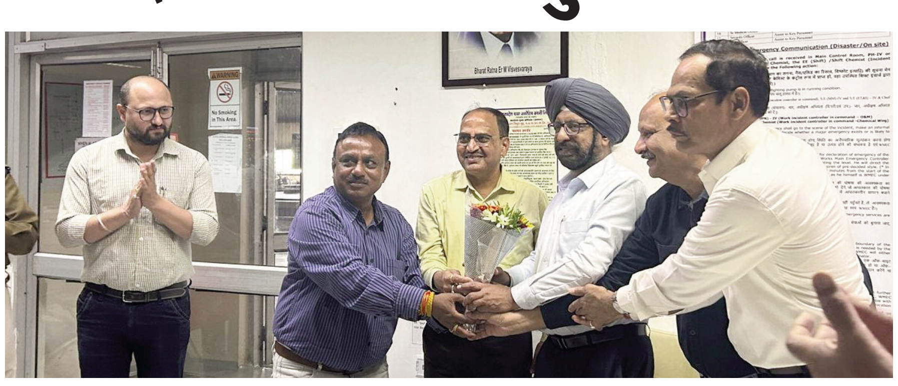

रविवार को एमड़ी मंजीत सिंह एवं जबलपुर मुख्यालय के अधिकारियों ने पावर प्लांट चार की दो पुरानी इकाइयों निरीक्षण किया.250 मेगावाट क्षमता वाली 10 नंबर इकाई के 13 साल पूर्ण होने पर एमडी ने केक काटकर खुशी जाहिर की. एमडी एवं जबलपुर मुख्यालय से आई टीम ने नहीं इकाई के निर्माण कार्यों के बारे में जानकारी लेने के बाद डिस्मेंटल कार्यो का भी जायजा लिया. एमडी ने नई इकाई के कार्य में प्रगति लाने के निर्देश चीफ इंजीनियर को दिए.एमडी ने पावर प्लांट,सीएचपी एवं अन्य स्थान का दौरा कर कार्य की प्रगति पर प्रशंसा जाहिर की. एमडी के दौरे को लेकर पावर प्लांट प्रबंधन ने पूरी तैयारी की थी.मंडल सूत्रों ने कहा कि पावर जनरेटिंग कंपनी के एमडी मनजीत सिंह ने नई इकाई के बारे में अधिकारीयो से विस्तार पूर्वक जानकारी लेने के डीसमेंटल कार्यो मे तेजी लाने के दिशा निर्देश दिये.

इनका कहना है

मध्य प्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के एमडी मनजीत सिंह ने इकदिवासी दौरे पर नई इकाई के बारे में अधिकारियों से चर्चा की. एमडी ने डिस्मेंटल कार्य भी साइड पर पंहुच कर जायजा लिया है. जबलपुर मुख्यालय से आई टीम ने भी एचडी के साथ सभी स्थानों का दौरा किया है.

– एस के लिलोरे चीफ इंजीनियर पावर प्लांट सारणी

निखिल पारद्वेश्वर मंदिर में सूर्य पुत्री मां ताप्ती के तीर्थ जल से शिवलिंग का किया अभिषेक

रामापूरा डंडार, हांडी पानी चुटकोरा और खरवार डंडार मंडल ने दी शानदार लोक नृत्य की प्रस्तुति

राष्ट्रबाण
बैतूल| संवाददाता
rashtrabaan.in

जिला मुख्यालय से लगभग 5 किलोमीटर दूर ग्राम चिखलार के निखिल पारद्वेश्वर मंदिर में सूर्य पुत्री मां ताप्ती के तीर्थ जल से शिवलिंग का विधिवत अभिषेक कार्यक्रम आयोजित किया गया। धार्मिक आस्था और परंपरा से जुड़े इस आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और पूरे वातावरण में भक्ति का संचार रहा।

कार्यक्रम के दौरान रामापूरा डंडार मंडल, हांडी पानी चुटकोरा मंडल तथा खरवार डंडार मंडल ने पारंपरिक लोक नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी। आदिवासी संस्कृति की झलक दिखाती इन प्रस्तुतियों ने आयोजन को विशेष बना दिया और उपस्थित जनसमुदाय ने उत्साह के साथ सराहना की।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से झामसिंह बारस्कर, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग बैतूल, आदिवासी ब्लॉक अध्यक्ष शाहपुर संदीप बारस्कर, झनकलाल मवासे, कमलेश काजले, रामचरन बारस्कर, विरेंद्र प्रताप बारस्कर सरपंच सालीमेट, बब्लू गोलू, दिवान सिंह, राजकुमार बारस्कर उपाध्यक्ष, इमरत काजले उपाध्यक्ष, प्यारेसिंह कास्दे, राजकुमारी राधा वादना, आरती तथा श्रीमती विलकिस बारस्कर जिला सदस्य बैतूल उपस्थित रहे।

धार्मिक अनुष्ठान वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सम्पन्न हुआ और श्रद्धालुओं ने क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। आयोजन ने एक बार फिर जिले में धार्मिक एकता और सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण का संदेश दिया।

राष्ट्रबाण
सिवनी, सोमवार 23 फरवरी 2026

सिवनी राष्ट्रबाण

● बरघाट ● छपारा ● धनोरा ● घंसौर ● केवलारी ● कुरई ● लखनादौन ● सिवनी ग्रामीण

सिवनी में 'कमाऊपूत' ठेकेदार का खेल!

'उपेंद्र' मेहरबान 'शिव' पहलवान

सिवनी में अधोसंरचना योजना में करोड़ों की बंदरबांट, नियम विरुद्ध मूल्यांकन और फर्जी बिलों के आरोप

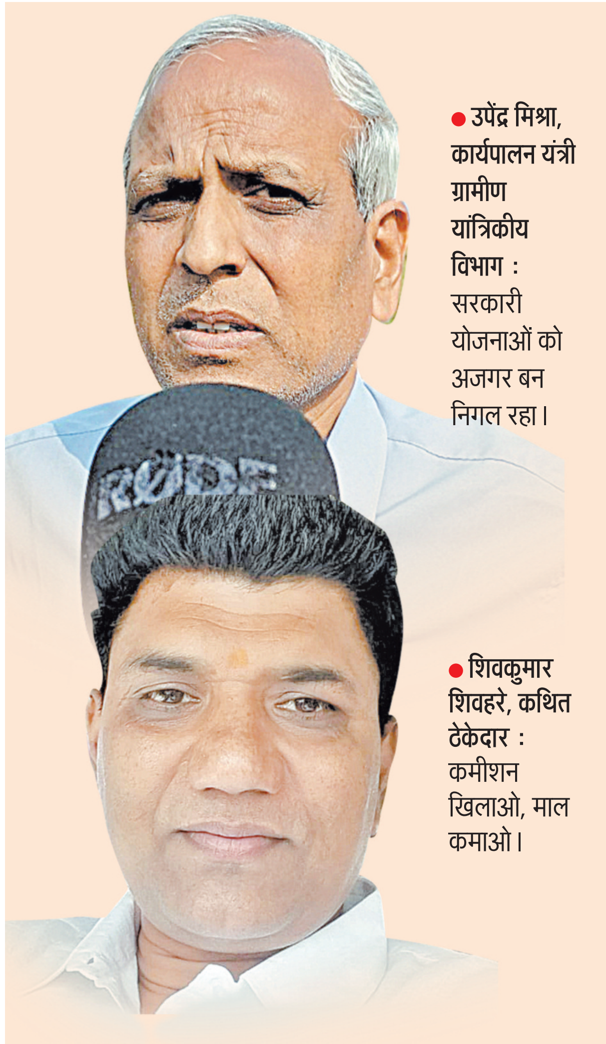

● उपेंद्र मिश्रा, कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकीय विभाग : सरकारी योजनाओं को अजगर बन निगल रहा।

● शिवकुमार शिवहरे, कथित ठेकेदार : कमीशन खिलाओ, माल कमाओ।

राष्ट्रबाण सिवनी | संवाददाता rashtrabaan.in

ग्रामीण यांत्रिकीय विभाग में इन दिनों एक नाम चर्चा के केंद्र में है, छपारा का कथित 'कमाऊपूत' ठेकेदार शिवकुमार शिवहरे। आरोपों की आंधी ऐसी है कि विभागीय गलियारों से लेकर पंचायत स्तर तक फुसफुसाहट अब खुली बहस में बदल चुकी है। सूत्रों का दावा है कि कार्यपालन यंत्री उपेंद्र मिश्रा की कथित मेहरबानी के चलते इंजीनियरों द्वारा नियम विरुद्ध मूल्यांकन कर लाखों रुपये के फर्जी बिल निर्माण एजेंसी के माध्यम से निकाले जा रहे हैं। आरोप यह भी है कि इस पूरी 'मलाई' का बड़ा हिस्सा ठेकेदार शिवकुमार शिवहरे अपनी तिजोरी में रख रहा है, जबकि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता बहुत ही घटिया और गुणवत्ताहीन है। ऐसा नहीं की कथित ठेकेदार महज एक दो पंचायतो पर भ्रष्टाचार के गुल खिला रहा है यह पुरे जिले में अपने भ्रष्टाचार का तांडव कर रहा है।

रंजू उईके, सरपंच : कथित ठेकेदार की कठपुतली ?

10 प्रतिशत में 'पूर्ण' स्नान घाट?

मामला ग्राम पंचायत कंडीपार के अधोसंरचना योजना के तहत बने स्नान घाट से शुरू होता है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, इस परियोजना में कंडीपार सहित सैकड़ो पंचायत में भारी भ्रष्टाचार हुआ है। आरोप है कि निर्माण कार्य महज 10 प्रतिशत लागत में पूरा किया जा रहा है, जबकि 90 प्रतिशत राशि कथित ठेकेदार अंदर कर रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि घाट की गुणवत्ता और सामग्री की हालत देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि सरकारी धन का उपयोग कितना हुआ और कितना कागजों में 'खर्च' हो गया। घटिया कामो की स्थिति बताती है की योजनाओं की ऐसीतैसी कर किस तरह सरकारी धन की खुली लूट ये कथित भ्रष्ट कर रहे है।

सूत्रों का यह भी दावा है कि सरपंच, सचिव और अघोषित रूप से कार्य कर रहे ठेकेदार शिवकुमार शिवहरे ने कथित रूप से अपने 'आका' उपेंद्र मिश्रा को बड़ी रकम की चढ़ोत्री चढ़ाई। जिसके बदले में शिवकुमार और संबंधित पंचायतों में घटिया और गुणवत्ताहीन कार्यों पर कोई जांच न कर फर्जी मूल्यांकन कर शासकीय धन की होली खेली है।

उपेंद्र मिश्रा की नाक के नीचे 'शिव का तांडव'?

ग्रामीण यांत्रिकीय विभाग के कार्यपालन यंत्री उपेंद्र मिश्रा पर भी उंगलियां उठ रही हैं। आरोप है कि शिवकुमार शिवहरे को खुला संरक्षण प्राप्त है। इसका उदाहरण विभाग कार्यालय में चल रहे बाउंड्रीवॉल निर्माण को बताया जा रहा है। निर्माण कार्य में लगे कर्मचारियों का कहना है कि यह कार्य शिवकुमार शिवहरे द्वारा कराया जा रहा है, जबकि उपेंद्र मिश्रा इसे ग्राम पंचायत द्वारा कराया जाना बता रहे हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि ग्राम पंचायत बींझावाड़ा के सरपंच और सचिव को इस निर्माण कार्य की लागत, स्वीकृति, योजना और तिथि तक की जानकारी नहीं है। यदि निर्माण ग्राम पंचायत द्वारा कराया जा रहा है, तो पंचायत प्रतिनिधियों को इसकी जानकारी क्यों नहीं? और यदि विभागीय स्तर पर कराया जा रहा है, तो अधिकारी निर्माण एजेंसी पंचायत क्यों बता रहे है आखिर तो ठेकेदार की भूमिका क्या है?

बेस्ट भ्रष्ट निर्माण का अवार्ड लेने को तैयार कंडीपार पंचायत में निर्मित सड़क।

'कमीशन की मलाई' का नेटवर्क?

आरोपों के मुताबिक, निर्माण एजेंसी अघोषित रूप से शिवकुमार शिवहरे से घटिया और गुणवत्ताहीन निर्माण कराती है। इसके बदले कथित तौर पर सरपंच, सचिव, इंजीनियर, एसडीओ और कार्यपालन यंत्री को कमीशन दिया जाता है। यदि यह सच है, तो यह सिर्फ एक ठेकेदार का खेल नहीं बल्कि पूरे सिस्टम की मिलीभगत का मामला बनता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि काम पहले तय होता है, फिर कागजों में मूल्यांकन बढ़ाकर भुगतान निकाला जाता है। निरीक्षण और गुणवत्ता नियंत्रण महज औपचारिकता बनकर रह गया है। नतीजा, शासकीय धन की खुली लूट और जनता के हिस्से में घटिया निर्माण मिल रहे है।

25 लाख की सड़क, हालत बदहाल

कंडीपार में एक और मामला सामने आया है, ग्राम पंचायत में अधोसंरचना योजना के तहत निर्मित 25 लाख रुपये की अनुमानित लागत वाली सड़क। ग्रामीणों के अनुसार, इस सड़क का निर्माण भी अघोषित ठेकेदार शिवकुमार शिवहरे द्वारा कराया गया। सड़क की वर्तमान स्थिति कथित तौर पर निर्माण की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े करती है। ग्रामीणों का कहाँ है की सरकार अगर सबसे भ्रष्ट कोई अवार्ड रखे तो यह घटिया सड़क सरकार से सबसे भ्रष्ट निर्माण का अवार्ड भी ले सकती है। जब इस संबंध में सरपंच रंजू उइके से संपर्क करने का प्रयास किया गया तो उन्होंने फोन नहीं उठाया। वहीं सचिव अंजलि अवधिया ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा 'आपको पूरी जानकारी है। तो हमें बताने की क्या आवश्यकता।' यह बयान स्वयं में कई सवाल खड़े करता है। यदि सब कुछ नियमों के तहत हुआ है, तो सचिव को पारदर्शिता से जानकारी साझा करने में हिचक क्यों? जबकि निर्माण स्थल पर कोई भी जानकारी से संबधित बोर्ड नहीं है जो नियम अनुसार होने चाहिए।

सवालों के घेरे में मूल्यांकन प्रक्रिया

मामले की जड़ में है मूल्यांकन प्रक्रिया। आरोप है कि इंजीनियरों द्वारा नियमों की अनदेखी कर वास्तविक कार्य से अधिक भुगतान दर्शाया गया। यदि तकनीकी मूल्यांकन ही संदिग्ध है, तो पूरी वित्तीय स्वीकृति प्रक्रिया पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है। जानकारों का मानना है कि यदि स्वतंत्र तकनीकी जांच कराई जाए तो वास्तविक लागत और भुगतान के बीच भारी अंतर सामने आ सकता है। अधोसंरचना योजना के नाम पर हुए कार्य अब जनचर्चा का विषय बन चुके हैं। ग्रामीणों की मांग है कि पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच हो, तकनीकी ऑडिट कराया जाए और दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो। सरकारी धन जनता की गाढ़ी कमाई से आता है। यदि वही धन कागजों में सड़कों और घाटों में 'बह' जाए और जमीन पर बदहाल ढांचा खड़ा हो, तो यह सिर्फ भ्रष्टाचार नहीं जनविश्वास के साथ धोखा है। अब देखना यह है कि प्रशासन इस 'कमाऊपूत मॉडल' पर लगाम लगाता है या फिर फाइलों में ही जांच का पुलिंदा बनकर रह जाता है। जनता की नजरें टिकी हैं कार्रवाई होगी या फिर सब कुछ यूं ही चलता रहेगा?

शासकीय भूमि में ईमारती लकड़ी की अवैध कटाई कर कब्जा करने का लगा रहे जुगाड़

भांडामुर्री के पुरनाटोला में कई एकड़ जमीन पर हो रहा अवैध कब्जा,, बिना अनुमति काटे गए वर्षों पुराने दर्जनों बेशकीमती ईमारती पेड़

राष्ट्रबाण लालबर्रा | संवाददाता rashtrabaan.in

लालबर्रा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम भांडामुर्री के पुरनाटोला जो सिवनी- बालाघाट मार्ग पर कंजई ग्राम के पास मुरूम नाला जाने वाले मार्ग से जाना पड़ता है पुरनाटोला। जहां मुरूम नाला नहर के दोनों साइड कुछ खेत व जंगल पेड़ पौधे भी लगे हुए हैं। अनेकों पेड़ लगे हुए हैं। कुछ भूमि पर कृषि कार्य होता है तो जंगल भी है। ग्रामीणों से प्राप्त जानकारी के अनुसार शासकीय भूमि पर कब्जा करने वाले लोग पेड़ों की अवैध कटाई कर दबंगताई से जेसीबी के माध्यम से हरे- भरे वर्षों पुराने जलाऊ सतकट्ठा लकड़ी वाले पेड़, बेशकीमती ईमारती पेड़ों की अंधाधुंध दिन के उजाले में अवैध कटाई की जा चुकी है और आगे कटाई करने के प्रयास में भी हैं।

जानकारी दी गई है कि गांव के कुछ एक लोग एवं लालबर्रा के कुछ एक लोगों के द्वारा बिना अनुमति के हरे -भरे पेड़ों की अवैध कटाई की गई है एवं ट्रैक्टर ट्राली के माध्यम से लालबर्रा की आरा मिल में लकड़ी लाई गई है। कंजई के वन विभाग के वनोपज जांच नाका में 20 जनवरी 2026 को ट्रैक्टर ट्राली से भांडामुर्री से लालबर्रा लकड़ी ले जाने की बात वन विभाग के वाहन चेकिंग रजिस्टर में ट्रैक्टर क्रमांक व वाहन चालक का नाम दर्ज है। जिसकी ग्राम पंचायत भांडामुर्री सरपंच द्वारा लकड़ी परिवहन की अनुमति प्रमाण पत्र भी वाहन मालिक व चालक को दिया गया है।

कई एकड़ शासकीय भूमि पर हरे- भरे बेशकीमती लकड़ी वाले पेड़ों की अवैध कटाई कर शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है। इसके बाद जिम्मेदार विभाग को इसकी जानकारी लगी तो ग्राम कोटवार द्वारा बताया गया कि कुछ लकड़ी 15 -20 लट्ठे जप्त कर कार्रवाई की गई है। लेकिन यह कार्रवाई नाममात्र की खानापूर्ति की कार्रवाई है। भांडामुर्री के पुरनाटोला से लगी शासकीय भूमि पर कई वर्षो पुराने पलाश, सागौन, महुआ, जामुन, लेंडिया, हलदुल, कसाई, साजा व अन्य इमारती पेड़ों की भू माफियाओं ने दिनदहाड़े सरेआम बलि चढ़ा दी है। राजस्व विभाग की निष्क्रियता से भारी संख्या में पेड़ों की अवैध कटाई कर दी गई एवं शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा किया जा रहा है। पटवारी और कोटवार मौका स्थल पर पहुंचे तो अवैध कटाई करवाने वाला लालबर्रा का एक व्यक्ति ने लकड़ी से भरी ट्रैक्टर ट्राली खाली करवा कर खाली ट्रैक्टर भगा दिया। हल्का पटवारी टीनासिंह ठाकरे ने कोटवार के साथ 10-15 पेड़ों की लकड़ी लट्ठे जप्त कर कार्रवाई की है, जप्त लकड़ी ग्राम सरपंच व कोटवार के सुपुर्द की गई है एवं कार्रवाई प्रतिवेदन तहसील कार्यालय तहसीलदार लालबर्रा को सौंपा गया है, जहां से तहसीलदार भूपेंद्र अहिरवार ने एसडीएम कार्यालय को यह कार्रवाई प्रतिवेदन प्रेषित कर दिया है। बाकी दर्जनों ट्रैक्टर ट्रॉली बेशकीमती इमारती लकड़ी एवं सतकट्ठा लकड़ी ट्रैक्टर ट्राली के माध्यम से परिवहन कर लालबर्रा की कुछ एक आरा मिल में पहुंचाई गई है।

विभाग की भूमिका पर संदेह

राजस्व की शासकीय भूमि से दर्जनों पेड़ों की अवैध कटाई एवं भूमि पर अवैध कब्जा का प्रयास, राजस्व विभाग की भूमिका पर सवाल खड़े करता है। लालबर्रा के कुछ एक लोग अपने पास अधिक रुपये पैसों की गर्मी और राजनीति पहुंच की अकड़ में क्षेत्र के गांव की शासकीय भूमि से अवैध तरीके से पेड़ों की कटाई कर अवैध परिवहन कर आरा मिल में सतकट्ठा व इमारती लकड़ी लाकर शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा करना चाहते हैं। भूमि कब्जा करने वाले लोग जेसीबी के माध्यम से भूमि को समतल करने में लगे हुए हैं। जिम्मेदार विभाग भूमि को बचाने में कोई प्रयास नहीं कर रहा है। इसके कारण शासकीय भूमि पर कब्जा करने वाले लोगों के हौसले बुलंद हैं।

कई वर्षों से चल रहा खेल

ग्रामीणों ने बताया कि लालबर्रा के कुछ लोग जंगलों से इमारती लकड़ियों को अवैध रूप से कटवाकर कुछ आरा मिल में लेकर जा रहे हैं, तो कुछ बड़े शहरों की ओर महंगे दामों में बेचने के लिए परिवहन करवा रहे हैं। नंबर 2 का यह अवैध कमाई वाला काला कारोबार का यह खेल निरंतर कई वर्षों से जारी है लेकिन जिम्मेदार प्रशासन की आंख पर काली पट्टी बंधी हुई है।

जिम्मेदार करें अवैध कटाई व आरा मिलों की जांच

लालबर्रा क्षेत्र भर के विभिन्न ग्रामों से ट्रैक्टर ट्रालियों के माध्यम से बेशकीमती इमारती लकड़ी चिरान के लिए आरा मिलों में लाई जाती है। जिम्मेदार वन विभाग व राजस्व विभाग न तो इन अवैध लकड़ी लाने वाले ट्रैक्टरों का निरीक्षण कर रहे हैं और न ही लालबर्रा की आरा मिलों की जांच कर रहे हैं। या तो जिम्मेदार विभाग को इन सब मामलों की जानकारी नहीं होगी, या फिर इस प्रकार के अवैध काम करने वाले लोगों से मधुर संबंध स्थापित कर लिए होंगे।

इनका कहना है

हल्का पटवारी द्वारा जांच प्रतिवेदन तहसील कार्यालय में प्रस्तुत किया गया है। जिसे हमारे द्वारा एसडीएम कार्यालय कार्यवाही के लिए भिजवा दिया गया है।

– भूपेंद्र अहिरवार, तहसीलदार लालबर्रा।

सिवनी में द्वारकाधीश प्राण-प्रतिष्ठा समारोह

नगर में निकली शोभायात्रा, स्वामी सदानंद सरस्वती हुए शामिल

राष्ट्रबाण सिवनी | संवाददाता rashtrabaan.in

सिवनी के श्री द्वारकाधीश मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के उपलक्ष्य में रविवार को नगर में शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा द्वारका शारदा पीठ के स्वामी सदानंद सरस्वती की उपस्थिति में संपन्न हुई। शोभायात्रा दोपहर में मठ मंदिर प्रांगण से प्रारंभ हुई।

शोभायात्रा में भगवान द्वारकाधीश की झांकी मुख्य आकर्षण रही। इसमें घंटा-घड़ियाल, घोड़े, व्यायामशाला दल, विभिन्न धार्मिक झांकियां और लगभग 1000 कलश लेकर चल रही मातृशक्ति शामिल थीं। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं और विभिन्न समाजों ने पुष्पवर्षा कर भगवान द्वारकाधीश का स्वागत और पूजन किया। इस अवसर पर द्वारका शारदा पीठ के संत-महात्मा, दंडी स्वामी और भागवत कथा व्यास पीठ के संत निर्विकल्प सहित कई संतजन उपस्थित रहे। शोभायात्रा का स्वागत नगर के प्रमुख स्थलों पर किया गया। मठ महाकाल समिति द्वारा मठ मंदिर में पूजन के बाद मठ स्कूल के सामने, राय समाज, ढीमरी मोहल्ला, मारुति मंदिर, दुर्गा मंदिर, गिरिजा कुंड, नगरपालिका चौक, शंकर मढ़िया, महावीर मढ़िया और छिंदवाड़ा चौक सहित अनेक स्थानों पर श्रद्धालुओं, समाजसेवियों और मंदिर समितियों ने स्वागत किया।

चंद्र सिंह पप्पू बने नैनपुर अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल कार्यकारिणी अध्यक्ष

राष्ट्रबाण मंडला | संवाददाता rashtrabaan.in

नैनपुर तहसील क्षेत्र के वार्ड क्रमांक.05 से रेलवे रिटायर स्टेशन प्रबंधक का प्रतिनिधित्व करने वाले समाजसेवी चंद्र सिंह पप्पू जी को अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल नैनपुर का कार्यकारिणी अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वे संगठन में सबसे कम वक्त में कार्यकारिणी के बड़े दायित्व की जिम्मेदारी का हिस्सा बने। सतत, संघर्ष, संगठन के प्रति निष्ठा और सक्रिय कार्य शैली के चलते चंद्र सिंह पप्पू जी ने बजरंग दल में अपनी अलग पहचान बनाई है। लंबे समय से संगठनात्मक बिना दायित्वों का हिंदू हित के लिए निर्वहन करते हुए उन्होंने हिंदू रक्षा, हिंदू एकता, हिंदू संगठित रहे मुद्दों को मजबूती से उठाया है, जिसका परिणाम उनकी इस महत्वपूर्ण नियुक्ति के रूप में सामने आया है, उनकी नियुक्ति की खबर मिलते ही मंडला जिला में हर्ष की लहर दौड़ गई। ओजस्विनी परिषद, महिला परिषद, अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल एवं व्यापारी संघ नैनपुर मंडला ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी। वहीं दूसरी ओर इतने बड़े दायित्व के लिए हिंदू हृदय सम्राट बजरंग दल राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर प्रवीण भाई तोगड़िया ने उज्जैन में बजरंग दल राष्ट्रीय अधिवेशन के दो दिवसीय वर्ग में बाबा महाकाल की नगरी पर भेंट के लिए चंद्र सिंह जी को सादर आमंत्रित किया हैं। एवं हिंदू हृदय सम्राट डॉक्टर प्रवीण भाई तोगड़िया एवं समस्त शुभचिंतकों ने आशा व्यक्त की है।

कप्यूटर वर्ल्ड
सेल्स एंड सर्विस
लैपटॉप, कम्प्यूटर, सी.सी.टी.वी कैमरा, होम थियेटर, प्रिंटर, लेमिनेशन, फोटो कॉपियर, नेटवर्किंग, प्रोजेक्टर, कॉर्टरेज रिफलिंग
संपूर्ण कम्प्यूटर ऐससरीज उपलब्ध
पुराने कम्प्यूटर व लैपटॉप उपलब्ध
संपर्क- बैनगंगा कॉम्प्लेक्स, बस स्टैंड, सिवनी, मो.न.-9302833332

ARPIT TVS
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करे
7898723789
Infront of Reliance Petrol-pump, Jabalpur Road, Jyarat Naka, Seoni 480661 (M.P)

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक संजय बघेल द्वारा श्री सिद्धिविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एमपी नगर भोपाल म.प्र से मुद्रित कराकर शिवनगर कॉलोनी सड़क मोहल्ला मरझोर जिला सिवनी से प्रकाशित।
RNI NO.: MPHIN/2015/72804 , **संपादक*** **संजय बघेल** पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र सिवनी होगा। E-mail: rashtrabaan@gmail.com. mob: 7000427433